पुनरीक्षित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम (R.N.T.C.P.) झारखण्ड

विश्व यक्ष्मा दिवस 24 मार्च, 2015

Press release

विश्व यक्ष्मा दिवस महान जर्मन वैज्ञानिक राबर्ट कौक **(Robert Koch)** के द्वारा टी.बी. की जिवाणु की खोज 24 मार्च 1882 ई0 को की गई थी, जो कि टी.बी. रोग के ईलाज में मोल का पत्थर साबित हुआ। इसी खोज के उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष विश्व यक्ष्मा दिवस 24 मार्च को मनाया जाता है। यक्ष्मा दिवस के अवसर पर विश्व स्वास्थ संगठन के द्वारा प्रत्येक वर्ग टी.बी. रोगियो के समस्या एंव समाधान हेतु नये संदेश दिया जाता है। इसका उद्देश्य टी.बी. के क्षेत्र में कार्य कर रह स्वास्थ प्रदाता एंव लोगों का ध्यान इस ओर उत्कृष्ट कर टी.बी. रोगियों को फायदा पहुँचाना हैं। इस वर्ग के लिये संदेश है कि परे विश्व में 90 लाख लोग प्रतिवर्ग टी.बी. से ग्रसित होते हैं, जिनमें से 30 लाख टी.बी. रोगीयों का पहचान एंव इलाज नहीं हो पाता है, इस वर्ग इन्हें पहचान एंव पूर्ण ईलाज करने का संकल्प लिया गया है।

पुनरीक्षित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम **(R.N.T.C.P.)** झारखण्ड में वर्ग 2000 के अंत से पलाम् और रॉची में शुरू हुआ एंव जुलाई 2005 तक संपूर्ण झारखण्ड में कार्यक्रम का विस्तार किया जा चुका हैं।

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ मिशन समिति यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम के द्वारा विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर **IPH Hall** नामकुम में आयोजित कार्यक्रम में निदेशक स्वास्थय एंव **NHM** के सभी राज्य स्तरीय परामार्शी एंव पदाधिकारीयों को **TB** के प्रति **SENSITIZATION** एंव राज्य के वार्णिक टी.बी. प्रतिवेदन का विमोचन किया गया जिसका उदघाटन प्रधान सचिव द्वारा अभियान निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन **(NHM)** एंव निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य की उपस्थिति में किया गया ।

राज्य में डांटस पद्दति के अंतर्गत कार्यक्रम के प्रारंभ से लेकर अबतक लगभग 14 लाख संभावित यक्ष्मा रोगियों को मुफ्त बल्गम जाँच, 393581 यक्ष्मा रोगियों का मुफ्त उपचार एंव **642 MDR T.B** प्रतिरोधी टी.बो. मरीजो का मुफ्त उपचार किया गया हैं। डॉटस प्रणाली के अन्तर्गत टी.बी. रोगियों के मुफ्त निदान एंव उपचार हेतु राज्य में 82 यक्ष्मा ईकाई, 314 बलगम जॉच केन्द्र एंव 19 हजार से अधिक डॉटस प्रदाता कार्यरत हैं। प्रतिरोधी टी.बी. मरीजो के त्वरित एंव मुफ्त जॉच हेतु ईटकी आरोग्यशाला में राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त अत्याधुनिक प्रयोगशाला कार्यरत हैं। सभी **MDR T.B.** (दवा प्रतिरोधी टी.बी.)रोगी के मुफ्त उपचार की व्यवस्था भी की गई हैं। दवा प्रतिरोधी टी.बी. मरीजो के उपचार हेतु **Drug Resistant T.B. (DR-TB)** कन्द्र इटकी आरोग्यशाला, जिला यक्ष्मा केन्द्र, दुमका एंव **P.M.C.H** धनबाद में स्थापित है, एंव जमशेदपुर में स्थापना अंतिम चरण में हैं। इसके अतिरिक्त राज्य में टी.बी. एच.आई.भी. रोगियो के लिए विशेष सेवा दी जा रही हैं।

विगत कुछ वर्षो में वैश्विक, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर अनुमानित यक्ष्मा रोगियों की संख्या में 1 से 2 प्रतिशत तक की कमी आ रही है तथा मृत्यु दर में भी काफी कमी आयी है, और यह **Millennium Development Goal** द्वारा निर्धारित 2015 के लक्ष्य के लगभग नजदीक है।

विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर राज्य के सभी जिलों में इस वर्ष स्लम बस्तियों एंव सुदूरवतो क्षेत्रों में प्रभात फेरी,गोष्टी, नुक्कड़ नाटक एंव माइकिंग इत्यादि गतिविधीयों के द्वारा प्रचार–प्रसार कर लोगों को टी.बी. के प्रति जागरूक किया जा रहा हैं तथा यह अपील की जा रही है कि यक्ष्मा के संभावित मरीज (दो सप्ताह या अधिक खांसी) यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम के माध्यम से मुफ्त निदान एवं उपचार का लाभ उठाएँ।

पुनरीक्षित राष्ट्रीय यक्ष्मा नियंत्रण कार्यक्रम **(R.N.T.C.P)** के तहत पक्षपोषण, **(advocacy),** सामुदायिक उत्प्रेरण **(Social Mobilization)** एंव संचार **(Communication)** के लिए वर्ल्ड विजन इंडिया एंव अंतराष्ट्रीय संस्था द यूनियन की सहायता से कैथोलिक हेल्थ एसोसिएशन ऑफ इंडिया, केयर, PSI एंव एमानुएल हेल्थ एसोसिएशन झारखण्ड के 22 जिलों में काम कर रहे हैं। इस वर्ग झारखण्ड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों, आदिवासी बहुल इलाकों एंव वैसे क्षेत्रो में जहॉ यक्ष्मा के ज्यादा संभावित मरीज हैं **R.N.T.C.P.** अपने सहायक अक्षय परियोजना के साथ इन क्षेत्रों में लक्षित कार्यक्रम के जरिये लोगो को जागरूक बना रहे है।

नोडल पदाधिकारी आई0ई0सी0